सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की पत्रिका

अंक : 567 वर्ष 43

राँची, 30 अप्रैल, 2021

सीसीएल देश की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध

वित्तीय वर्ष 2020–21 में अभूतपूर्व उपलब्धि दर्ज की

वित्तीय वर्ष 2020–21 में भारत सरकार द्वारा झारखण्ड सहित पूरे देश में कारोना महामारी और लॉकडाउन जैसी चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद भी सीसीएल ने कोयला उत्पादन में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज करते हुए देश की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने में अपनी अहम भूमिका निभाई है। अपने उपभोक्ताओं को कोयला आपूर्ति करने के साथ–साथ कोरोना के विरूद्ध लड़ाई में भी हमारी कम्पनी ने वित्तीय वर्ष 2020–21 में ओवर बर्डेन रिमूवल में 103.62 मिलियन क्यूबिक मीटर (M CuM) प्राप्त किया। सीसीएल ने कोयला उत्पादन 62.59 मिलियन टन (एमटी) जबकि कोयला प्रेषण 65.4 एमटी किया है। सीसीएल के पाँच कोयला खुली खदान ने अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है। हमारी प्रमुख खदानों में मगध (8.12 एमटी), आम्रपाली (14.4 एमटी), एवं अशोका (13.85 एमटी) ने क्रमशः 56%, 13% एवं 32% का ग्रोथ प्राप्त किया है।

इसके अलावा विगत वित्तीय वर्ष 2020–21 में सीसीएल ने रेल के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों में कोयला प्रेषण कर 12% का ग्रोथ हासिल किया है। सीसीएल ने मार्च, 2021 में अपने पूराने रिकार्ड को तोड़ते हुये एक दिन में सर्वाधिक 80 रेक का कोयला प्रेषण कर कीर्तिमान स्थापित किया है।

कम्पनी उत्पादन एवं प्रेषण के साथ–साथ खान सुरक्षा के लिए भी निरन्तर प्रयासरत है जिससे कि शून्य दुर्घटना हो सके और निर्बाध कोयले का उत्पादन भी हो सके। हमारी कम्पनी को इस वर्ष कोयला मंत्री द्वारा सुरक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए ''कोल मिनिस्टर अवार्ड'' से भी सम्मानित किया गया।

अप्रनि, श्री पी.एम. प्रसाद एवं सभी निदेशकगण के कुशल मार्गदर्शन में सीसीएल कोयला उत्पादन के साथ–साथ समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्ध है। सीसीएल द्वारा अपने सीएसआर योजना के अंतर्गत वृहद स्तर पर मास्क, सैनिटाईजर का वितरण तथा क्षेत्रों को सैनिटाईज किया गया। लगभग 26 करोड़ रूपये केन्द्रीय एवं राज्य सरकार को कोरोना के विरूद्ध लड़ाई में सीसीएल द्वारा सहयोग किया गया साथ ही लगभग 1.25 करोड़ रूपये अपने कमांड क्षेत्रों के आठ जिलों में स्थानीय प्रशासन को देकर उन्हें मजबूत किया गया है। सीसीएल ने समय–समय पर विगत वित्तीय वर्ष में 151 स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 45626 लोग लाभान्वित हुये हैं।

वर्तमान में सीसीएल द्वारा राँची एवं रामगढ़ सहित अन्य क्षेत्रों में 9 वैक्सीनेशन सेंटर चलाया जा रहा है जिसमें अभी तक लगभग 8 हजार लोगों को टीका पड़ चुका है।

स्वच्छता के क्षेत्र में रजरप्पा, कुजू एवं सीसीएल मुख्यालय सम्मानित

स्वच्छता अभियान को सफल बनाना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी

– अप्रनि श्री पी.एम. प्रसाद

अप्रनि श्री पी. एम. प्रसाद स्वच्छता अवार्ड प्रदान करते हुए

कोल इंडिया ने कोविड –19 के दूसरी लहर का मुकाबला करने के लिए उठाए महत्वपूर्ण कदम

सीसीएल ने कोरोना संक्रमित मरीजों को सुविधा मुहैया के लिए छः समझौता ज्ञापन में हस्ताक्षर किया

कोल इण्डिया लिमिटेड ने कोविड–19 के दूसरी लहर का मुकाबला करने हेतु कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। जिसके तहत इसकी अनुषंगी कम्पनियों ने भी कोरोनो महामारी के इन कठिन समय में लगातार बढ़–चढ़ कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा एवं अन्य जरूरी सेवाएं प्रदान करने में अपनी–अपनी अहम भूमिका अदा कर रही हैं।

सीसीएल ने अपने कमांड क्षेत्र के जिलों के अनुरोध को स्वीकारते हुए छः समझौता ज्ञापन में हस्ताक्षर किया है। पहला – रामगढ़ जिला प्रशासन के साथ कोविड कंटेनमेंट सेन्टर निर्माण के लिए और दूसरा लातेहार जिला प्रशासन के साथ सदर अस्पताल, लातेहार में 6 बेड का आईसीयू तथा 6 बेड का रिकवरी सेट अप बनाने के लिए। इसी तरह चतरा जिला में सदर अस्पताल में आईसीयू उपकरण का निर्माण, पलामू में कोविद के प्रबंधन के लिए चिकित्सा उपकरण, हजारीबाग में मेडिकल कॉलेज में कोविड के प्रबंधन के लिए आईसीयू उपकरण आदि निर्माण संबंधी किया गया है. गिरिडीह जिला में भी कोविद के प्रबंधन के लिए आईसीयू उपकरण संबंधी डवन किया गया है।

इससे पहले पिछले वित्त वर्ष 2020–21 में, कंपनी ने केंद्र और राज्य सरकार को कोविड महामारी के विरूद्ध लड़ाई के लिए 26 करोड़ रुपये का योगदान दिया था। झारखण्ड के 8 जिलों में सीसीएल के खनन कार्य करता है और इन सभी जिलों के स्थानीय प्रशासन को कुल 1.25 करोड़ रू. का सहयोग राशि विगत वर्ष दिया गया था। कंपनी द्वारा सूखा खाद्यान्न, मास्क और सैनिटाइज़र का वितरण भी किया गया था।

देश में कॉरपोरेट द्वारा तैयार कोविड केयर आइसोलेशन बेड में सबसे उच्चतम संख्या सीआईएल का है, महारत्न कोयला खनन कंपनी सीआईएल ने लगभग 2000 ऐसे बेड स्थापित किए हैं जिसमें आईसीयू बेड, आइसोलेशन बेड तथा ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ कोविड केयर बेड शामिल है। ऑक्सीजन सपोर्ट बेड की संख्या 750 है जबकि आईसीयू बेड की संख्या लगभग 70 है । इसके अतिरिक्त, ब्स- की कोयला कंपनियों ने कोविड राहत उपायों को तैयार करने के उद्देश्य से फंडिग एवं बेड उपल्बध कराने हेतु स्थानीय अस्पतालों तथा राज्य सरकारों के साथ करार किया है।

उपयोग के लिए तैयार लगभग 2000 ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ आपातकालीन उपयोगिता उपकरण को बढ़ाया गया है तथा 70 वेंटिलेटर चालू स्थिति में हैं । (25 अप्रैल तक), तीन अनुषंगी कंपनियाँ जीवन रक्षक तत्व की कमी को पूरा करने के लिए ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित करने पर विचार कर रहे हैं।

किसी भी आपातकालीन परिस्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा सुविधाओं को और बढ़ाने के लिए योजनाएं बनाई गई हैं । सीआईएल और कोयला कंपनियों में स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है, कोविड का मुकाबला करने के लिए दवाओं, बिस्तरों और अन्य सामग्री को बढ़ाने की योजना पर काम किया जा रहा है ।

साथ–ही–साथ, कंपनी निर्बाध उत्पादन और ऑफ–टेक सुनिश्चित करने के लिए भी उपाय कर रही है। गर्मियों की शुरुआत के साथ, बिजली की मांग बढ़ रही है और कंपनी को स्थिर आपूर्ति बनाए रखना है।

सीआईएल ने निर्धारित किया है कि अनुबंध कर्मचारियों का वेतन कम न किया जाए, लॉकडाउन की स्थिति में भी, उन्हें पूरी मजदूरी सुनिश्चित की जाती है, सीआईएल क्षेत्र के अस्पतालों में मुफ्त चिकित्सा सुविधाएँ भी प्रदान किया जाता है । सीआईएल ने कोविड से मृत्यु के मामले में संविदाकर्मियों सहित कर्मचारियों के परिजनों को 15 लाख रुपये का भुगतान करने का भी ऐलान किया है।

सीआईएल की कोयला कंपनियों ने 01 अप्रैल से 45 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए युद्धस्तर पर टीकाकरण अभियान चलाया है। अब तक औसत टीकाकरण लगभग 1700 व्यक्ति प्रति दिन है। चूंकि यह एक सतत प्रक्रिया है इसलिए संख्या के बहुत अधिक बढ़ने की उम्मीद है। टीकाकरण में शामिल लोग कंपनी के अपने कर्मचारी, उनके आश्रित और संविदा कर्मचारी हैं।

निदेशक तकनीकी (यो./परि.) श्री भोला सिंह स्वच्छता अवार्ड प्रदान करते हुए

मुख्यालय, राँची स्थित 'कन्वेंशन सेंटर' में 'सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान अप्रनि, सीसीएल श्री पी.एम. प्रसाद ने सीसीएल के रजरप्पा एवं कुजू क्षेत्र सहित मुख्यालय, राँची को विशेषकर स्वच्छता माह में स्वच्छता हेतु उल्लेखनिय कार्यों के लिए सम्मानित किया। रजरप्पा क्षेत्र की ओर से महाप्रबंधक आलोक कुमार एवं कुजू क्षेत्र की ओर से महाप्रबंधक श्री आई.सी. मेहता जबकि सीसीएल मुख्यालय, राँची की ओर से महाप्रबंधक (सीएसआर) श्री ए.के. सिंह ने यह स्वच्छता अवार्ड प्राप्त किया। इस अवसर पर निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री भोला सिंह सहित विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं अन्य नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

ज्ञातव्य हो कि हाल ही में कोयला मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के निर्देशानुसार सीसीएल में एक कमिटि बनायी गयी थी। कमिटि ने स्वच्छता संबंधी सभी मापदंडों का मूल्याकंन करते हुये सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के रजरप्पा क्षेत्र को स्वच्छता के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य के लिए 'प्रथम पुरस्कार' से सम्मानित किया था।

विदित हो कि सीसीएल मुख्यालय सहित पूरे सीसीएल में विशेषकर स्वच्छता माह में स्वच्छता संबंधी विभिन्न कार्यों जैसे कोरोना समय में अस्पतालों का पूर्ण सैनीटाईजेशन, आसपास के क्षेत्र में नालियों की सफाई, साथ ही झाड़ियों की कटाई, स्थानीय दुकानदारों के बीच कागज का कप एवं पेपर स्ट्रॉ का वितरण, सफाई कर्मियों के बीच ग्लब्स एवं फेस मास्क आदि का वितरण एवं सभी को इसका उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया।

सीएमडी श्री पी.एम. प्रसाद ने पुरस्कृत क्षेत्रों को बधाई देते हुये कहा कि हम सभी को स्वच्छता अभियान में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेना है जिसकी शुरूआत सर्वप्रथम स्वंय से करना है तथा दूसरो को भी प्रेरित करना है।

सीसीएल की पहली ग्रीनफील्ड एमडीओ परियोजना होगी कोतरे बसंतपुर पचमो

झारखण्ड राज्य स्थित कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) सस्टेनेबल माइनिंग के माध्यम से सभी स्टेकहोल्डर्स के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में वेस्ट बोकारो कोलफील्ड्स के उत्तरी छोर पर एमडीओ माध्यम से शुरू की जाने वाली प्रथम ग्रीनफील्ड परियोजना – कोतरे बसंतपुर पचमो एक महत्वांकाक्षी परियोजना है जिसे अब शीघ्र ही मूर्त रूप दिया जायेगा। यह एमडीओ मॉडल पर संचालित होने वाली सीसीएल के साथ–साथ कोल इंडिया की पहली ग्रीनफील्ड परियोजना होगी। पूर्णतः विकसित होने पर परियोजना की वार्षिक उत्पादन क्षमता प्रतिवर्ष 5 मीलियन टन (एमटी) होगा।

सीएमडी, सीसीएल श्री पी.एम. प्रसाद ने बताया कि एमडीओ माध्यम से प्रारंभ व संचालित की जाने वाली कोल इंडिया की पहली ग्रीनफील्ड परियोजना, कोतरे बसंतपुर का कार्य आवंटित किया जा चुका है। उन्होंने झारखण्ड सरकार के निरंतर सहयोग एवं माननीय कोयला मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी, सचिव (कोयला) श्री अनिल कुमार जैन, अध्यक्ष, कोल इंडिया श्री प्रमोद अग्रवाल का कुशल नेतृत्व के लिए आभार व्यक्त किया।

एमडीओ मोड सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की भागीदारी की अवधारणा को दर्शाता है। एमडीओ मोड में ठेकेदार/निजी कंपनी भूमि के भौतिक कब्जे, आर एंड आर, खदान के विकास और संचालन सहित कोयले का प्रेषण सहित अन्य संबंधित गतिविधियों खदान के लिज होल्डर के लिए क्रियान्यवित करता है। इसके एवज में खदान का लिज होल्डर एक अनुबंधित खनन शुल्क का भुगतान ठिकेदार/निजी कंपनी को करता है। एमडीओ को दोनों प्रतिभागियों के लिए आर्थिक रूप से व्यावाहारिक माना जाता है।

इस परियोजना में लगभग 2000 करोड़ रुपये का पूंजीगत परिव्यय किया गया है। परियोजना के प्रारंभ होने से आसपास के क्षेत्रों के ग्रामीणों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर मिलेगा।

सम्पादक : अनुपम कुमार राणा, विभागाध्यक्ष (जनसम्पर्क) जनसम्पर्क विभाग ● सहायक सम्पादक : मयंक कश्यप, सहायक प्रबंधक (सीडी), दिविक दिवेश, सहायक प्रबंधक (राजभाषा), सीसीएल, दरभंगा हाउस, राँची द्वारा प्रकाशित। (आंतरिक वितरण हेतु)